स्वदेश दर्शन योजना

स्रोत: पी. आई. बी.

पर्यटन मंत्रालय ने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India- CAG) के निष्पादन लेखापरीक्षा के बाद **स्वदेश दर्शन योजना (SDS)** की समीक्षा की।

- समीक्षा में **संस्थागत सुदृढ़ीकरण, डेटा-आधारित गंतव्य चयन, बुनियादी ढाँचे की बेंचमार्किंग तथा कठोर (बुनियादी ढाँचे) और नरम (क्षमता निर्माण) हस्तक्षेपों** के एकीकरण पर जोर दिया गया।
- फोकस क्षेत्रों में **दीर्घकालिक स्थिरता (लॉन्ग-टर्म सस्टेनेबिलिटी) के लिये निगरानी, सतत् संचालन, प्रचार-प्रसार और प्रभाव आकलन** शामिल थे।

स्वदेश दर्शन योजना (SDS और SD2.0)

- 2014-15 में शुरू की गई, **SDS** एक **100% केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है, जिसका उद्देश्य **थीम-आधारित सर्किटों** (जैसे बौद्ध, विरासत) के एकीकृत विकास के माध्यम से **सतत् और उत्तरदायी पर्यटन** को बढ़ावा देना है।
- यह **राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/केंद्रीय एजेंसियों** को बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- **SD2.0** का फोकस अब **गंतव्य-केंद्रित और सतत् पर्यटन** पर है, जो '**वोकल फॉर लोकल**' और **आत्मनिर्भर भारत** अभियान के अनुरूप है। यह पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में **निजी क्षेत्र के निवेश** को भी प्रोत्साहित करता है।
- **चुनौती-आधारित गंतव्य विकास (CBDD)**, जो **SD2.0** के तहत एक उप-योजना है, एक **प्रतिस्पर्द्धात्मक मॉडल** पर आधारित है। इसका ध्यान **सतत् विकास**, **डिजिटलीकरण**, **कौशल विकास**, **MSME (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) को सहयोग** और **कुशल प्रबंधन** पर है।

पर्यटन विकास के लिये प्रमुख पहल

- राष्ट्रीय पर्यटन नीति, 2022
- देखो अपना देश पहल
- एक भारत श्रेष्ठ भारत
- प्रसाद योजना
- हृदय
- PM-JUGA के तहत जनजातीय होमस्टे
- कौशल और रोज़गार क्षमता बढ़ाने हेतु **सेवा प्रदाताओं के लिये क्षमता निर्माण (CBSP)**।

और पढ़ें: स्वदेश दर्शन योजना, भारत में सतत् पर्यटन को बढ़ावा देना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/swadesh-darshan-scheme-4